भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2163

गुरूवार, 04 अगस्त, 2022/13 श्रावण, 1944 (शक)

श्रम बल की भागीदारी दर

2163. श्री जवाहर सरकारः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत की श्रम बल भागीदारी का अनुपात 15 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के लगभग 100 करोड़ भारतीयों के 47 प्रतिशत के आस-पास है जो कि 57 प्रतिशत के साथ बांग्लादेश, 60 प्रतिशत पर नेपाल जैसे तुलना योग्य और 60 प्रतिशत से ऊपर लगभग अधिकांश देशों की तुलना में सबसे कम है;

(ख) क्या भारत अपना जनांकिकीय लाभ नहीं खो रहा है और कोई रोज़गार उपलब्ध नहीं होने के कारण युवा आबादी बेरोज़गार है; और

(ग) क्या उपरोक्त भारत की बेरोज़गारी दर द्वारा पुनर्बलित नहीं होता है जो जून 2022 में बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई थी, लगभग 13 मिलियन नौकरियां समाप्त हुई है, जो ज्यादातर कृषि क्षेत्र से संबंधित थीं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (ग): वर्ष 2017-18 से सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी पर सरकारी आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। सर्वेक्षण की अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक है। उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अनुमानित श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान क्रमश: 50.2%, 53.5% और 54.9% थी।

एलएफपीआर, उस जनसंख्या का प्रतिशत है जो या तो काम कर रहा है (नियोजित) या काम की तलाश में (बेरोजगार) है। पूरी कामकाजी उम्र की आबादी, श्रम बल में नहीं हो सकती है क्योंकि कामकाजी उम्र की आबादी का एक बड़ा हिस्सा या तो शिक्षा प्राप्त कर रहा है या अवैतनिक गतिविधियों जैसे अवैतनिक घरेलू गतिविधियों या घर के सदस्यों के लिए देखभाल करने वाली सेवाएं, स्वयंसेवा और प्रशिक्षण आदि में लगा हुआ है। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि एलएफपीआर बढ़ रही है और जो यह दर्शाता है कि अधिक से अधिक लोग श्रम बल में शामिल हो रहे हैं।

सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान क्रमश: 5.8%, 4.8% और 4.2% थी। यह बेरोजगारी दर में गिरावट की प्रवृति को दर्शाती है।

वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान कृषि क्षेत्र में सामान्य स्थिति के आधार पर कामगार का अनुमानित प्रतिशत क्रमशः 42.5%, 45.6% और 46.5% था, जो इस अवधि के दौरान कृषि क्षेत्र में भी रोजगार की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है।

*****